वीर प्रभु महावीर प्रभु | By Amit Kumar

वीर प्रभु महावीर प्रभु
का ध्यान ह्रदय में धरना है
है अनमोल जिनवर की वाणी
ज्यूँ अमृत का झरना है

ध्यान धरो प्रभु का ध्यान धरो .....

विषय वासना में क्यूँ तू है डूबा
राहों में कांटे बिछाये
जन्म जन्म कर्मो के बंधन
देखो क्या क्या दिखाए
कर्म करेगा तू जैसा
फल पायेगा वैसा
वीर प्रभु महावीर प्रभु
वीर प्रभु.....

क्रोध मान माध लोभ ईर्ष्या
जीवन में बाधाएं
राग द्वेष पर निंदा न छोड़ी
कैसे मुक्ति पाए
क्यूँ बैठा भरमाये जीवन
यूँ ही बीता जाए
वीर प्रभु महावीर प्रभु
वीर प्रभु.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b5%e0%a5%80%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%ad%e0%a5%81-%e0%a4%ae%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a5%80%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%ad%e0%a5%81-by-amit-kumar/